

सबही भांति सुधारी

(१९)

हमरी सबही भांति सुधारी

कृपा करी मिठी अमड़ि राणी और सत्संग विहारी ॥

दियो निवास धम वृन्दाबन जंह विहरें प्रीतम प्यारी

नाम रंग सत्संग सजाकर दियो संत दरस सुखकारी ॥

वचन सुधा की वर्षा करि नित तीनों ताप निवारी

जय जय मैगसि चन्द्र कृपानिधि युगल लाल हितकारी ॥